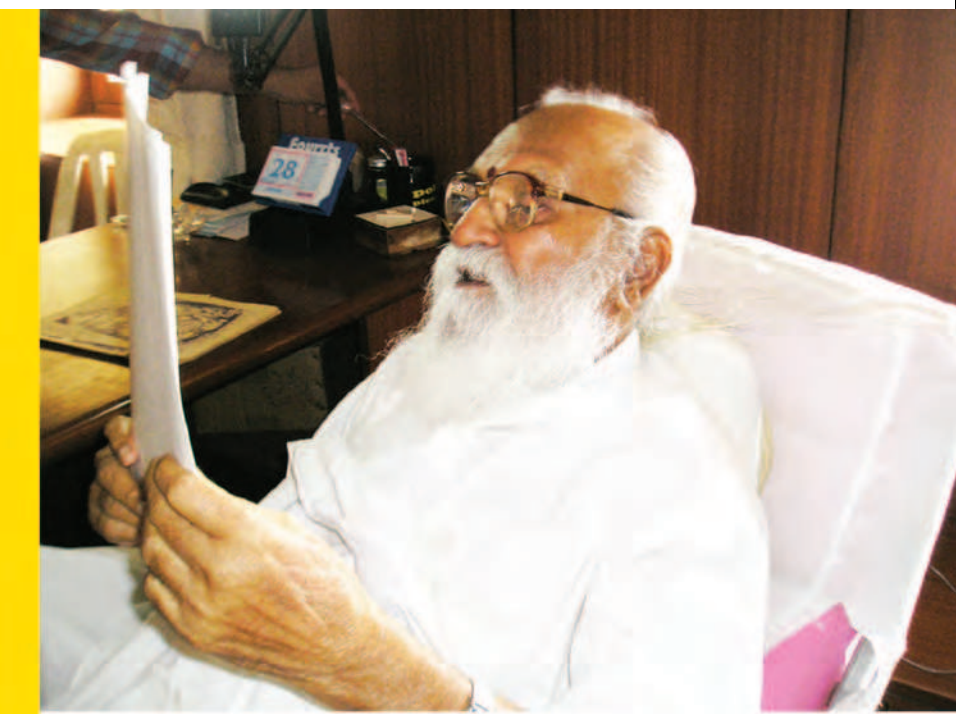




नानाजी का व्यक्तित्व इतना प्रभावी था और कार्यक्षेत्र इतना विस्तृत कि उनकी प्रतिभा, उनके विचारों व कर्तृत्व को कुछ पञ्चों में समेटना बेहद कठिन है। लेकिन उनके निधन के बाद जानी-मानी हस्तियों ने जो कुछ लिखा, स्तंभकारों ने उन्हें जैसा समझा, उनके सहयोगियों, उनके अनुयायियों व प्रशंसकों ने उनके बारे में जो वर्णन किया, उसकी एक बानगी अगले पृष्ठों में



नाना प्रकार के नानाजी

